एनसीएल/प्रे.वि./2017-18/ दिनांक- 21.10.17

<u>प्रेस विज्ञप्ति</u>

<u>एनसीएल का कोयला डिस्पैच 50 मिलियन टन के पार</u>

<u>कोल इंडिया महोत्सव के दौरान कंपनी की इस विशेष उपलब्धि पर शीर्ष प्रबंधन ने दी हार्दिक बधाई</u>

भारत सरकार की मिनी रत्न कंपनी नॉर्दर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एनसीएल) ने चालू वित्त वर्ष में अब तक [1 अप्रैल से 20 अक्टूबर की अवधि तक] अपने कोयला ग्राहकों को 50 मिलियन टन कोयला प्रेषित (डिस्पैच) कर दिया है। कंपनी ने 20 अक्टूबर को 50 मिलियन टन का आंकड़ा पार करते हुए अपने कोयला ग्राहकों को 50.12 मिलियन टन कोयला डिस्पैच कर दिया, जो पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि के मुकाबले 19 प्रतिशत से भी अधिक है। पिछले वित्त वर्ष में 20 अक्टूबर तक एनसीएल ने 42.06 मिलियन टन कोयले का प्रेषण किया था। कंपनी की यह उपलब्धि ऐसे समय में आई है, जब एनसीएल की होल्डिंग कंपनी कोल इंडिया लिमिटेड के चेयरमैन श्री गोपाल सिंह के कुशल मार्गदर्शन एवं दिशा-निर्देशों के तहत में एनसीएल में 'कोल इंडिया महोत्सव' का आयोजन किया जा रहा है, जिसके तहत कंपनी के अधिकारी-कर्मचारी 'मेरी कंपनी, मेरा गौरव' की भावना के साथ कोयला उत्पादन एवं उत्पादकता सहित कर्मचारी कल्याण और सेफ्टी जैसे विषयों पर सघन अभियान चलाकर कंपनी को नया गौरव दिलाने हेतु जी जान से जुटे हुए हैं।

एनसीएल के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक श्री बी.आर. रेड्डी, निदेशक (कार्मिक) सुश्री शांतिलता साहू, निदेशक (तकनीकी/संचालन) श्री गुणाधर पांडेय, निदेशक (वित्त) श्री पी.एस.आर.के. शास्त्री तथा निदेशक (तकनीकी/परियोजना एवं योजना) श्री जे.एल. सिंह ने कोल इंडिया महोत्सव के दौरान कंपनी द्वारा 50 मिलियन टन से अधिक कोयला डिस्पैच किए जाने पर एनसीएल परिवार के हर सदस्य को हार्दिक बधाई दी है और उम्मीद जताई है एनसीएल चालू वित्त वर्ष में 91 मिलियन टन कोयला उत्पादन एवं प्रेषण के लक्ष्य को पार करते हुए नया गौरव हासिल करेगी।

एनसीएल द्वारा कोयला उत्पादन एवं उत्पादकता से जुड़े मानदंडों पर लगातार नई उपलब्धियां हासिल किए जाने में होल्डिंग कंपनी कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) के चेयरमैन श्री गोपाल सिंह एवं कंपनी के शीर्ष प्रबंधन का अहम मार्गदर्शन रहा है। 1 अक्टूबर

2017 को कोल इंडिया के चेयरमैन पद पर श्री गोपाल सिंह के पदभार ग्रहण करने के पश्चात विभिन्न विषयों पर सामंजस्य बढ़ने एवं हितग्राहियों से आवश्यक तालमेल का नतीजा है कि एनसीएल अपने ग्राहकों को फिलहाल रोजना औसतन लगभग 2 लाख 70 हजार टन कोयला प्रेषित कर रही है, जो इससे पहले रोजाना औसतन लगभग 2 लाख 20 हजार टन थी। अब एनसीएल से रोजना औसतन लगभग 22 रेक की जगह 29 रेक कोयला रेलवे के जरिये सप्लाई की जा रही है। कंपनी का रोजाना कोयला उत्पादन औसतन 2 लाख 30 हजार टन से बढ़कर 2 लाख 60 हजार टन हो गया है। ब्लास्टिंग एक्सप्लोसिव की सप्लाई की दिक्कतें खत्म हुई हैं और डंपर के टायर से जुड़ी दिक्कतें भी सुलझा ली गई हैं। एनसीएल के लिए 180 टन क्षमता के डम्पर की खरीद के संबंध में भी आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए हैं। दुधीचुआ और ब्लॉक बी कोयला क्षेत्रों की कोयला उत्पादन क्षमता बढ़ाए जाने को लेकर भी कार्य में तेजी आई है। अमलोरी के 424 हेक्टेयर फॉरेस्ट लैंड का स्टेज वन क्लियरेंस मिल गया है। एनसीएल का कोयला स्टॉक भी काफी कम हुआ है और अब यह लगभग 5 मिलियन टन है, जबकि चालू वित्त वर्ष की शुरुआत में यह 7 मिलियन टन से अधिक था। कंपनी के अहम पिट-हेट बिजली घरों से पास 15 से 21 दिनों का कोयला स्टॉक है। रेलवे के जरिये कोयले की सप्लाई में गति लाने हेतु कटनी-चोपन रेलवे लाइन के दोहरीकरण के कार्य में तेजी के लिए भी कोयला मंत्रालय स्तर पर बातचीत कर विशेष पहल की गई है और इसे ऑनलाइन कोल प्रोजेक्ट मॉनिटरिंग पोर्टल पर डाल दिया गया है। चालू वित्त वर्ष में अब तक एनसीएल के कोयला उत्पादन में भी लगभग 19 प्रतिशत हुई है 20 अक्टूबर तक यह 47.88 मिलियन टन हो गया है तथा अधिभार हटाव (ओबी रिमूवल) में भी लगभग 7 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। कंपनी को भ्रष्टाचार मुक्त बनाने हेतु व्यापक मुहिम छेड़ी गई है।

साथ ही, कोल इंडिया चेयरमैन श्री गोपाल सिंह के नेतृत्व में कोल इंडिया ने कर्मचारियों के साथ एनसीडब्ल्यूए-X का समझौता किया है, जिससे कर्मचारियों का उत्साह परवान चढ़ा है और कंपनी के उत्पादन एवं उत्पादकता को नई गति मिली है।

इससे साथ ही, कंपनी के अधिकारियों-कर्मचारियों में नई ऊर्जा के संचार हेतु कोल इंडिया महोत्सव शुरू किया जा रहा है, जो 15 नवंबर तक चलेगा और इसके तहत कंपनी में व्यापक स्तर पर कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इस मुहिम के पहले चरण में कंपनी के सभी कोयला क्षेत्रों एवं इकाइयों में पोस्टर, बैनर, होर्डिंग, बिल-बोर्ड आदि के जरिये कंपनी के आंतरिक और बाह्य हितग्राहियों को कंपनी के गौरव से रूबरु कराया जा रहा है। **(जनसम्पर्क अधिकारी)**